एक नजर में

स्थाई वारंटी तामीली विशेष अभियान के तहत कसरावद पुलिस की कार्रवाई

कसरावद, निप्र। पुलिस महानिरीक्षक इंदौर जोन (ग्रामीण) अनुराग के द्वारा स्थाई वारंट तामीली हेतु विशेष अभियान दिनांक 01.01.26 से 31.01.26 तक चलाया जा रहा है तथा अभियान के अंतर्गत अधिक से अधिक स्थाई वारंट तामील करने हेतु निर्देशित किया गया था। जिसके परिपालन में पुलिस अधीक्षक खरगोन रविन्द्र वर्मा एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) शकुंतला रुहल जिला खरगोन के द्वारा जिले के समस्त अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) व थाना प्रभारियों को स्थाई वारंट तामील करने हेतु निर्देशित किया गया था। उपरोक्त निर्देशों के पालन में श्रीमान एसडीओपी महोदय श्वेता शुक्ला अनुविभाग मण्डलेश्वर के मार्गदर्शन में निरीक्षक राजेन्द्र बर्मन थाना प्रभारी कसरावद को 03 स्थाई वारंटियों को पकड़ने में बड़ी सफलता हासिल हुई है। पुलिस टीम ने त्वरित कार्यवाही करते हुए मौके पर से किया गिरफ्तार।

कार्यवाही की विवरण :- पुलिस थाना कसरावद पर तीनों स्थाई वारंटियों 1. शकील उर्फ साकिर पिता सलीम शेख जाति मुण्डा उम्र 30 साल निवासी मोतीबाग थाना सेन्धवा ग्रामीण जिला बड़वानी 2. राजाराम पिता गुलाबराव जाति मराठा उम्र 55 साल निवासी वार्ड क्र .04 धामनोद जिला धार 3. रवि पिता विक्रम भील उम्र 19 वर्ष निवासी संजय नगर थाना धामनोद जिला धार की तलाश लगातार की जा रही थी किन्तु वारंटियों के संबंध में कोई ठोस जानकारी प्राप्त नहीं हो रही थी बाद आज दिनांक 23.01.26 को विश्वसनीय मुखबिर सूचना प्राप्त होने पर निरीक्षक राजेन्द्र बर्मन थाना प्रभारी कसरावद के द्वारा त्वरित कार्यवाही की योजना बनाकर थाना पर 03 अगल - अलग पुलिस टीम तैयार कर रवाना की गई बाद तीनों स्थाई वारंटियों शकील उर्फ साकिर, रवि भील, राजाराम मराठा को पकड़ने में सफलता मिली, वारंटी शकील उर्फ साकिर को धुले महाराष्ट्र से गिरफ्तार करने में सफलता मिली। तीनों वारंटी काफी समय से फरार चल रहे थे तथा माननीय न्यायालय में पेशी दिनांक को उपस्थित नहीं हो रहे थे। तीनों स्थाई वारंटियों को पंचानों के समक्ष विधिवत गिरफ्तार किया गया जिन्हें माननीय जेएमएफसी न्यायालय कसरावद में पेश किया जाएगा।

सराहनीय कार्य :- उक्त प्रकरण मे अनुविभागीय अधिकारी मण्डलेश्वर श्रीमान श्वेता शुक्ला के मार्गदर्शन में, थाना प्रभारी कसरावद निरीक्षक राजेन्द्र बर्मन के नेतृत्व में उनि अजय भाटिया, सउनि शत्रुघ्न देशमुख, सउनि जोगेन्द्र पाटीदार, प्रआर.659 महेश मालवीय, आर.1068 बलराम मुकाति, आर.622 मुकेश मुवेल, आर.83 संदीप भिंडे, आर.460 राकेश चौहान का विशेष योगदान रहा।

माँ नर्मदा के पावन जन्मोत्सव पर ओंकारेश्वर क्षेत्र में भक्ति और उत्साह की लहर

सनावद, निप्र। ओम्कारेश्वर (मध्य प्रदेश) : माँ नर्मदा के पावन जन्मोत्सव (नर्मदा जयंती) के अवसर पर ओम्कारेश्वर क्षेत्र में भक्ति और उत्साह की लहर दौड़ रही है। श्री वनदेवी आश्रम, ग्राम बिल्लोरा खुर्द (थापना के निकट) में 25 जनवरी 2026 (रविवार) को विशाल चुनरी यात्रा का भव्य आयोजन होने जा रहा है। यह परंपरागत कार्यक्रम हर वर्ष की तरह इस बार भी हजारों श्रद्धालुओं की आस्था से सजा रहेगा। परम विदुषी रामकथा प्रवक्ता साध्वी सीताबहन जी के पावन सान्निध्य में माँ नर्मदा समर्पण मनोरथ चुनरी यात्रा निकाली जाएगी। यात्रा श्री वनदेवी आश्रम से प्रारंभ होकर बिल्लोरा खुर्द गणगौर घाट (माँ नर्मदा तट) तक पहुंचेगी। इसके पश्चात माँ नर्मदा का विधिवत पूजन, महाआरती और भव्य समारोह आयोजित होगा। कार्यक्रम का समय-सारिणी दोपहर 1 बजे : भोजन प्रसादी का आयोजन (सभी श्रद्धालुओं के लिए नि:शुल्क भंडारा)। सायं 4 बजे : चुनरी यात्रा का शुभारंभ, उसके बाद पूजन एवं महाआरती। इस पावन अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं महू विधायक सुश्री उषा ठाकुर जी तथा बड़वाह पूर्व विधायक श्री हितेंद्र सिंह सोलंकी जी सहित माँ नर्मदा के हजारों भक्तजन उपस्थित रहेंगे। आयोजकों के अनुसार, यह कार्यक्रम माँ रेवा की कृपा और भक्तों की अटूट आस्था का प्रतीक है, जहाँ विशाल चुनरी माँ को समर्पित की जाती है। हिंदू मान्यताओं के अनुसार, माँ नर्मदा के दर्शन मात्र से मोक्ष की प्राप्ति होती है। ओम्कारेश्वर जैसे पवित्र क्षेत्र में यह उत्सव विशेष महत्व रखता है, और श्री वनदेवी आश्रम के समस्त भक्तजन द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में आसपास के जिलों से श्रद्धालु सपरिवार भाग ले रहे हैं। श्री वनदेवी आश्रम के भक्तजनों ने सभी नर्मदा भक्तों को सादर आमंत्रित किया है। आइए, इस पावन अवसर पर माँ रेवा के चरणों में नमन करें और उनकी कृपा प्राप्त करें।

विनय बाल मंदिर में मना वसंतोत्सव, बच्चों ने दी सांस्कृतिक प्रस्तुतियां

खरगोन। शहर के जैतापुर क्षेत्र में संचालित हो रहे विनय बाल मंदिर हायर सेकेंडरी स्कूल में वसंतोत्सव धूमधाम से मनाया गया। यहां आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि थाना प्रभारी सुदर्शन, स्कूल संचालिका श्रीमती कविताअत्रे, प्राचार्य ने वीणा वादिनी, ज्ञान की देवी सरस्वती जी के चित्र पर माल्यार्पण कर बच्चों को वसंतोत्सव की शुभकामनाएं दी। इस दौरान बच्चों ने सांस्कृतिक नृत्य की प्रस्तुति देकर सरस्वती वंदना की। कार्यक्रम में थाना प्रभारी सुदर्शन ने विद्यार्थियों को सायबर क्राइम और बाल अपराधों के प्रति जागरुक एवं सतर्क करते हुए कहा कि सोशल मीडिया पर ज्यादा एक्टिव रहने के बजाय किताबों को समय दें। किताबी ज्ञान हमेशा याद रहेगा, जबकि सोशल मीडिया का ज्ञान पलभर में बदलता है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में फ्रॉड के नए- नए तरीके अपनाए जा रहे है। इसलिए सोशल मीडिया पर कम से कम तस्वीरें अपलोड करें। परिजनों को यदि कोई डिजीटल अरेस्ट जैसा कॉल जाए तो परिजनों को सावधान करें। यह फर्जी कॉल होते है। पुलिस ऐसा कोई कॉल नही करती। संचालक अत्रे ने कहा कि विद्या और बुद्धि की देवी माँ सरस्वती की कृपा से ही अज्ञानता का अंधकार दूर होता है। बसंत पंचमी का यह त्योहार हमें जीवन में नई ऊर्जा, सकारात्मकता और निरंतर सीखने की प्रेरणा देता बसंत के आगमन के प्रतीक के रूप में विद्यालय को पीले फूलों से सजाया गया था।

सार्वजनिक पंगति कार्यक्रम में भेदभाव का आरोप, अभा बलाई महासंघ ने एसपी से की शिकायत

खरगोन, निप्र। जिले के ग्राम ग्राम केली में एक अनुसूचित जाति समाज के परिवार के साथ सार्वजनिक भोजन कार्यक्रम (पंगति) में जातिगत भेदभाव का मामला सामने आया है। महिला के साथ गांव के ही दंपति सहित अन्य लोगों द्वारा किए गए अभद्र व्यवहार से पीड़ित सहित समाज में आक्रोश व्याप्त है। अभा बलाई महासंघ के पदाधिकारियों ने मामला संज्ञान में आने के बाद पीड़ित महिला के साथ एसपी कार्यालय पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई है। वरिष्ठ समाज सेवी रामेश्वर खांडे, प्रदेश महामंत्री विजय सोनारे, जिला अध्यक्ष सुभाष खांडे, जिला मिडिया प्रभारी जितेंद्र आर्य आदि ने एएसपी बिट्टू सहगल से मुलाकात कर बताया कि गांव को एक दंपत्ति ने भोजन के लिए ग्रामीणजनों के साथ बैठी महिला को जातिगत शब्दों का उपयोग करते हुए अपमानित किया, जिससे समाज में आक्रोश के साथ ही इस घटना से सामाजिक भेदभाव किए जाने से दुखी भी है। इस मामले में ऊन थाने पर भी शिकायत दर्ज कराने की कोशिश की, लेकिन पुलिस ने इस गंभीर मामले में कोई एक्शन नही लिया। एएसपी ने मामले में जांच कर कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

रेवा गुर्जर समाज के विवाह सम्मेलन में 22 जोड़े बने हम सफर

युगल दांपत्य जीवन में बंधे वर वधु को सांसद,विधायक सहित जनप्रतिनिधियों ने दिया आशीर्वाद

नवभारत न्यूज

बड़वाह, निप्र। शादियों में होने वाले अतिरिक्त व अनावश्यक खर्चों से वर-वधु दोनों पक्षों पर आर्थिक भार पड़ता है। ऐसी खर्चीली शादी में होने वाले धन की बर्बादी को रोकने और समाज को नई सकारात्मक दिशा प्रदान करने के लिए रेवा गुर्जर विवाह समिति ने पिछले कई वर्षों पहले सामूहिक विवाह के रूप में नई पहल शुरू की थी,जो अब एक बड़ा स्वरूप लेने लगी है। शुक्रवार बसंत पंचमी के अवसर पर नगर पालिका बड़वाह एवं रेवा गुर्जर समाज ने मुख्यमंत्री कन्या दान योजना के तहत 22 जोड़ो का सामूहिक विवाह सम्पन्न करवाया । प्रतिवर्ष सामूहिक विवाह के माध्यम से समाज के सभी तबके के लोगो को खर्चीली शादियों से बचने का प्रेरक संदेश दे रहे है। इसी कड़ी में बड़वाह के कृषि उपज मंडी में 22 जोड़ों का विवाह सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल, विधायक सचिन बिरला सहित अन्य जनप्रतिनिधि सम्मेलन में वर-वधू को आशीर्वाद देने के लिए पहुंचे । इस दौरान 22 जोड़े एक दूसरे के साथ परिणय सूत्र में बंधे। आयोजन के लिए मंडी परिसर में भव्य पांडाल लगाया गया था। सुबह-सुबह दूल्हा-दुल्हन अपने -अपने वाहनों से समारोह स्थल पहुंचे। जहां पंडित के माध्यम से विप्र बंधुओं ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विधि विधान से विवाह संपन्न कराया। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष राकेश गुप्ता,पूर्व मंत्री डॉ विजय लक्ष्मी साधो,पूर्व विधायक जगदीश मोरानिया,भाजपा जिला उपाध्यक्ष जितेंद्र सुराणा,कांग्रेस नेता इंदर बिरला, प्रवीण शर्मा, रवि ऐरन, विक्रांत कोठारी, पार्षद रजनी भंडारी सहित अन्य नेताओ, जनप्रतिनिधियों और नागरिकों ने पहुंचकर सभी जोड़ों को शुभकामनाएं दी । कार्यक्रम का संचालन समिति सदस्य हरिओम शाह ने किया । सामूहिक विवाह समिति अध्यक्ष गिरधारी बिरला, उपाध्यक्ष जयेश शाह, अनोक चंद मंडलोई, डॉ सेवक राम गुर्जर सहित बड़ी संख्या में समाजजन मोजूद थे ।

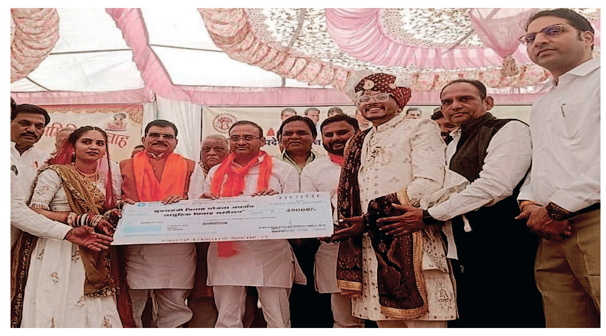

कन्या विवाह योजना अंतर्गत अहीर यादव समाज के 45 जोड़े अग्नि को साक्षी मानकर एक दूसरे के हुए

गोगावा, निप्र। भीकनगांव विकासखंड के ग्राम मछलगांव में मुख्यमंत्री कन्या विवाह अंतर्गत अहीर यादव समाज का सामूहिक विवाह सम्मेलन बसंत पंचमी के पावन पर्व पर आयोजित किया गया जिसमे 45 वर वधु ने अग्नि को साक्षी मानकर विवाह बंधन में बंधे। पंचायत इंस्पेक्टर दादूराम यादव ने बताया की सामाजिक न्याय एवम दिव्यंगजन विभाग मध्य प्रदेश शासन के सहयोग से इस आयोजन को मुख्य रूप दिया गया जिसमे 45 वर वधु सम्मिलित हुए । उल्लेखनीय हैं कि हर वर्ष की तरह बसंत पंचमी के पावन पर्व पर जिले में अहीर यादव समाज का विवाह सम्मेलन आयोजित होते आ रहा है जिसमे समाज का भी बहुमूल्य सहयोग रहता है आज मछलगांव में इस आयोजन को तीन एकड़ भूमि पर विशाल पांडाल व्यवस्थाएं लगाकर अहीर यादव समाज के लोगो ने विवाह सम्मेलन सम्पन्न कराने में अहम भूमिका निभाई है ।आयोजन स्थल पर वर वधु को आशीर्वाद देने के लिए क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक सचिन यादव भी पहुंचे थे जिन्होंने आशीर्वाद के साथ ही कन्यादान में वधु को एक एक ओवन भी भेट किए। करीब 85 गांव के अहीर यादव समाज के बीस हजार के लगभग लोग विवाह आयोजन में साक्षी बने थे जिन्होंने भोजन भी ग्रहण किया वही आयोजन में व्यवस्थाओं को सम्हालने के लिए ग्राम के तीन सो महिला पुरुष वालिनटीयर भी तैनात थे जिन्होंने यातायात भोजन चाय आदि व्यवस्थाओं को सुचारू रूप से सम्हाला उधर भीड़ को देखते हुए पार्किंग व्यवस्था भी आयोजन स्थल से दूर ही रखी गई थी पुलिस भी इस मौके पर तैनात थी । आयोजन में यादव समाज के वरिष्ठ ताराचंद यादव बडगांव , राजेंद्र यादव आखापुरा, भागीरथ यादव मछलगांव, अखिल भारतीय यादव महासभा इंदौर के सदाशिव यादव, ग्राम के सरपंच अजमेर सीह रावत, ओमप्रकाश यादव रेहगांव,बादाम सिंह वडिया, रविंद्र यादव वकील, नरेश यादव, सुरेश पाटीदार गोगांवा भीकनगांव जनपद पंचायत के मुख्यकार्यपालन अधिकारी निलेश सोलंकी , सामाजिक न्याय विभाग के पंकज अजनार, तुकाराम यादव, भिकनगाव जनपद पंचायत के समस्त सचिवो के साथ ही समाज के प्रबुद्ध नागरिक भी आयोजन स्थल पर मौजूद थे जिसमे सभी का सहयोग सराहनीय रहा ।

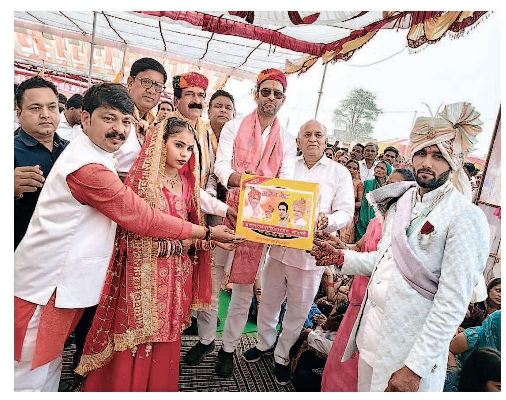

बसंत पंचमी से संतों की कोठ खप्पर धुनी तपस्या शुरू

बड़वाह, निप्र। नावघाट खेडी स्थित माँ नर्मदा के उत्तर तट पर सुंदर धाम आश्रम में संतो की कोठ खप्पर धुनी तपस्या बसंत पंचमी शुक्रवार से शुरू हुइ। इस अवसर पर पंडितो ने श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर महंत श्री बालकदास जी महाराज एवं अन्य संतो से विधि-विधान से पूजा-अर्चना करवाई। इसके पश्चात हवन एवं भंडारा प्रसादी का आयोजन हुआ। श्री श्री 108 नारायण दास जी महाराज ने बताया की कोठ खप्पर तपस्या बंसत पंचमी से प्रारम्भ होकर गंगा दशहरे तक चो माह चलती है। जिसमे प्रतिदिन तीखी धूम के बिच दोपहर 12 से 3 बजे तक बालकदास जी महाराज के सानिध्य में संत अलग-अलग प्रज्वलित कंडो का घेरा बनाकर अपने सिर पर जलता हुआ खप्पर रखकर इश्वर की आराधना करेगे। आश्रम के यह तट की परम्परा ब्रह्मलीन संत श्री सुन्दर दास जी महाराज के समय से चली आ रही है। आश्रम के गादी पति श्री श्री 1008 महंत श्री बालकदास जी इस तप को पिछले कई वर्षो से कर रहे है। इस तप के अंतर्गत पंच धुनी,सप्त धुनी,द्वादश धुनी के रूप में तपस्या की जाती है। इस दौरान बड़ी संख्या में भक्त मोजूद थे। 18 साल में पूरी होती है तपस्या-नारायण दास जी महाराज ने बताया की 18 साल तक तप करने के बाद ही यह तपस्या पूर्ण होती है। जो छह चरण में पूरा होता है। पहले चरण को पंच धूनी कहते हैं,यह तीन साल का होता है ।बसंत पंचमी के दिन ही इसकी शुरुआत होती है। डेढ़ से तीन घंटे तक संत तपस्या में लीन रहते हैं। पंच धुनी में वे चार स्थान पर आग जलाते हैं। पांचवें स्थान को सूर्य देव मानते हैं ।यह चरण पूरा करने के बाद सप्त धुनी होती है। इसे पूरा करने में भी तीन साल लगते हैं। इसमें संत छह स्थानों पर आग जलाते हैं। सातवां सूर्यदेवकी गर्मी लेते हैं। तीसरा चरण बारह और चौथा चरण 84 धुनी का होता है। यह भी तीन-तीन साल चलता है ।इसमें संत आग का गोल घेरा बनाकर तपस्या करते हैं। जिसे कोठ या खप्पर बोलते हैं।

राजपूत समाज का सामूहिक विवाह सम्मेलन संपन्न

मंडलेश्वर, निप्र। बसंत पंचमी पर शुक्रवार को राजपूत समाज का 9वां सामूहिक विवाह सम्मेलन संपन्न हुआ। आयोजन के दौरान प्रात: 8:00 बजे महाराणा प्रताप राजपूत धर्मशाला से दूल्हों का चल समारोह बैंड बाजा, ढोल ताशा, आतिशबाजी के साथ प्रारंभ हुआ। चल समारोह का अंबिका मंदिर प्रांगण में पाटीदार समाज, भंवरकुवा चौराहा पर व्यापारी संघ, ग्राम पंचायत कार्यालय के समक्ष सरपंच दीपेंद्र रावत, उपसरपंच जितेंद्र पाटीदार द्वारा पुष्प वर्षा से किया गया। चल समारोह सुलगांव फाटा होते हुए आयोजन स्थल यशराज कालोनी पहुंचा। पंडित किशोर शर्मा कवड़ीया द्वारा मुख्य यजमान विमलसिंह पटेल पत्नी रोशनी पटेल के सनिध्य में दूल्हा दुल्हन दिव्या लग्न कार्यक्रम संपन्न कराया गया। आयोजन में उपस्थित अतिथि कसरावद राजपूत समाज सामूहिक विवाह समिति अध्यक्ष दशरथ सिंह पटेल, वरिष्ठ समाजसेवी कैलाशसिंह दरबार सायता, सैनिक हेमेंद्र सिंह सोलंकी, महेश्वर तहसील अध्यक्ष प्रताप सिंह चौहान, राजपूत समाज ओंकारेश्वर धर्मशाला ट्रस्टी अमर सिंह पटेल, योगेंद्र सिंह चौहान, कालू सिंह पटेल, पवन सिंह तंवर आदि समाज जनों का स्वागत विवाह समिति अध्यक्ष सबल सिंह पटेल, उपाध्यक्ष बलराम सिंह मंडलोई द्वारा किया गया। दो परिवारों के जिम्मेदारी निभाती है बेटियां, मोनिका मंडलोई। सामूहिक विवाह आयोजन में राजपूत समाज की प्रखर वक्ता मोनिका मंडलोई द्वारा मंच से सभी समाज जनों को संबोधित करते हुए बताया कि बेटियां दो परिवारों की जिम्मेदारी निभाती है, शादी के पहले अपने परिवार में माता-पिता एवं शादी के बाद ससुराल में परिवार की जिम्मेदारी निभाती है। शिक्षिका प्रियंका चौहान द्वारा बताया गया कि बेटियां दो परिवारों का वंश का दीपक है जो की शादी होने के पहले माता-पिता एवं शादी के बाद ससुराल पक्ष में घर की रोशनी साबित होती है। बेटी है तो कल है वर्तमान समय में जिस परिवार में बेटी का जन्म होता है तो परिवार में आतिशबाजी कर खुशियां मनाई जाती है। बेटियों के जन्म से ही परिवार का वश चलता है। सामूहिक विवाह सम्मेलन संपन्न होने के पश्चात विवाह समिति द्वारा नव दंपति को प्रमाण-पत्र वितरित किए गए। इस दौरान राजेंद्र सिंह मंडलोई, राकेश सिंह सोलंकी, आचार्य रणजीत सिंह मंडलोई, वरिष्ठ समाजसेवी श्याम सिंह मंडलोई, कैलाश सिंह मंडलोई, ठाकुर योगेंद्र सिंह मंडलोई, लखमेसिंह मंडलोई, राहुल सिंह मंडलोई, सैनिक मलखान सिंह मंडलोई, लव कुश मंडलोई, दिनेश सिंह पटेल, विक्रमसिंह मंडलोई, मांगीलाल पटेल, सबल सिंह मंडलोई, इंदर सिंह तंवर आदि समाज जन मौजूद रहे। आयोजन का संचालन राजपूत समाज के प्रखर वक्ता खुमान सिंह गज्जू पटेल पथराड़ द्वारा किया गया आभार युवा समाजसेवी उदय सिंह पटेल द्वारा व्यक्त किया गया।

पीले फूलों से सजा श्री श्याम का दरबार, दर्शन को उमड़े भक्त

खरगोन, निप्र। बसंत पंचमी पर्व कमला नगर स्थित श्री खाटूश्याम मंदिर में श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। यहां बाबा श्री श्याम की मनोहारी प्रतिमा सहित श्याम दरबार को पीताम्बरी वस्त्रों और पीले फूलों से सजाया गया, जो आकर्षण का केंद्र रहा। एक झलक पाने के लिए शहरभर से श्याम भक्त सुबह से देरशाम तक मंदिर पहुंचे। श्री श्याम दरबार के मुख्य पुजारी ऋतुराज सोनी, दीपराज सोनी एवं शुभम सोनी ने बताया बसंत पंचमी के पावन पर्व पर परंपरा अनुसार बाबा श्याम को पंचामृत से विधिवत स्नान कराकर उनका अधोवस्त्र बदला गया। यह परंपरा वर्ष में केवल एक बार बसंत पंचमी के दिन ही निभाई जाती है। इसे बाबा का बागा बदलने की सेवा कहा जाता है। बाबा श्याम के बदले गए पीले वस्त्र का श्रद्धालुओं में वितरण किया गया, जो सुख-समृद्धि, अच्छी सेहत का प्रतीक होकर भक्त इसे सेवाघर में वर्षभर रखते है। इसे बाबा की कृपा माना जाता है। सेवक तिलोक सोनी (मौनी बाबा), मनोज सोनी, दिलीप पालीवाल आदि पालीवाल ने बताया पीला रंग बसंत ऋतु और ज्ञान की देवी मां सरस्वती का प्रतीक माना ही जाता है, साथ ही साथ यह सकारात्मक व धन धान्य का प्रतीक भी माना जाता है। इसी कारण इस दिन बाबा श्याम को पीले फूलों व वस्त्रों से सजाया जाता है। बसंत पंचमी पर मंदिर में दिनभर भक्ति भाव का माहौल रहा। भजन-कीर्तन के साथ मंदिर में जयकारे गूंजायमान होते रहे।

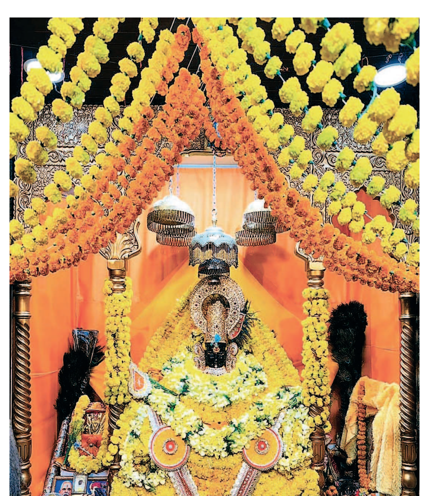

उच्च माध्यमिक शिक्षक मीठाराम जर्वे की सड़क हादसे में मौत

बिस्टान, निप्र। नगर के सांदीपनी स्कूल में पदस्थ उच्च माध्यमिक शिक्षक चंदन (41) पिता मीठाराम जर्वे की बुधवार रात सड़क हादसे में मौत हो गई। मूल रूप से उमरखली के निवासी जर्वे खरगोन में रहते थे। वे भोजन के बाद वाहन से घूमने निकले थे। तभी निजी स्कूल के सामने अज्ञात वाहन की टक्कर से उनकी मौत हो गई। काफी देर तक नहीं लौटने पर पत्नी सारिका ने जरवे के मोबाइल पर कॉल किया । दुर्घटना स्थल पर मौजूद प्रत्यक्षदर्शी ने हादसे के बारे में बताया। जरवे को गंभीर अवस्था में जिला अस्पताल ले जाया गया। जहां डॉक्टर ने उन्हें मर्द घोषित कर दिया । अंतिम संस्कार गुरुवार को उमरखली कुंदा नदी स्थित श्मशानघाट पर किया गया। शवयात्रा मैं समाजजनों व ग्रामीणों,व स्कूल स्टाप, ने शमिल होकर श्रद्धांजलि दी। सांदीपनि विद्यालय बिस्टान प्राचार्य बीआर भवंर ने बताया जरवे कृषि संकाय के शिक्षक थे।

एक नजर में

गायत्री परिवार के विद्वान आचार्यों के मार्गदर्शन में सामूहिक गायत्री यज्ञ संपन्न कराया गया, जिसमें सभी जोड़ों ने आहुतियां अर्पित कीं

बसंत पंचमी पर बामंदी में गूंजे मंगल गीत,27 जोड़े बने गृहस्थ

नवभारत न्यूज

कसरावद, निप्र। बसंत पंचमी के पावन अवसर पर ग्राम बामंदी में कुनबी पटेल समाज संगठन द्वारा आयोजित 38वां सामूहिक विवाह सम्मेलन शुक्रवार को आध्यात्मिक गरिमा, अनुशासन और सामाजिक चेतना के साथ भव्य रूप से सम्पन्न हुआ। इस संस्कार पर्व में 27 नव-दंपतियों ने वैदिक विधि-विधान के साथ परिणय सूत्र में बंधकर नए जीवन की शुरुआत की। सुबह से ही गांव का वातावरण मंगल गीतों, उल्लास और उत्साह से सराबोर रहा, वहीं समाज के हजारों लोगों की गरिमामयी उपस्थिति ने आयोजन को ऐतिहासिक बना दिया,कार्यक्रम की शुरुआत प्रात: देव पूजन एवं वेदी स्थापना के साथ हुई। गायत्री परिवार के विद्वान आचार्यों के मार्गदर्शन में सामूहिक गायत्री यज्ञ संपन्न कराया गया, जिसमें सभी 27 जोड़ों ने आहुतियां अर्पित कीं। मंत्रोच्चार के बीच पाणिग्रहण संस्कार सम्पन्न हुए। विशेष बात यह रही कि पंडितों द्वारा प्रत्येक फेरे का अर्थ एवं गृहस्थ जीवन के सात कर्तव्यों की सरल व्याख्या की गई, जिससे उपस्थित जनसमुदाय भावविभोर हो उठा,सामूहिक विवाह सम्मेलन में सादगी और अनुशासन हर स्तर पर देखने को मिला। सामूहिक भोज में हजारों समाजजनों ने कतारबद्ध होकर भोजन ग्रहण किया। व्यवस्थाएं इतनी सुव्यवस्थित रहीं कि कहीं भी अव्यवस्था नहीं दिखी,नव-दंपतियों को दिए गए उपहार भी जीवन मूल्यों से जुड़े रहे। समाज की ओर से प्रत्येक वधु को चांदी का मंगलसूत्र भेंट किया गया। इसके साथ ही 12 बर्तन, देवस्थापना चित्र, धार्मिक ग्रंथ एवं दांपत्य जीवन की मर्यादाओं को स्मरण रखने हेतु वर-वधू प्रतिज्ञा फ्रेम प्रदान किए गए। पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए प्रत्येक जोड़े को एक-एक फलदार पौधा भी भेंट किया गया। इस सम्मेलन में 72 गांवों के समाजजनों की सहभागिता रही,वरिष्ठजनों के मार्गदर्शन में गठित विभिन्न समितियों ने पार्किंग, पेयजल, छाया एवं अन्य व्यवस्थाओं को सफलतापूर्वक संभाला। स्वयंसेवकों की सक्रिय भूमिका ने आयोजन को अनुकरणीय बना दिया। मंच से समाज के प्रबुद्धजनों ने कुरीतियों के त्याग, बेटियों को उच्च शिक्षा देने तथा नशामुक्त समाज के निर्माण का आह्वान किया। उपस्थित समाजजनों ने हाथ उठाकर इन सामाजिक संकल्पों का समर्थन किया। जिसके बाद 27 जोड़ों की ससम्मान विदाई की गई। समाजजनों ने बामंदी ग्राम की पावन धरा एवं यहां के निवासियों के आतिथ्य की मुक्त कंठ से सराहना की। कार्यक्रम के समापन अवसर पर आयोजन समितियों का सम्मान किया गया। साथ ही प्रांतीय अध्यक्ष रामकृष्ण वर्मा, जिला अध्यक्ष रामलाल पटेल, महिला जिला अध्यक्ष पूजा पटेल एवं पूर्व विधायक आत्माराम पटेल ने मंच से समाजजनों को संबोधित करते हुए संस्कारवान और संगठित समाज निर्माण का संदेश दिया।